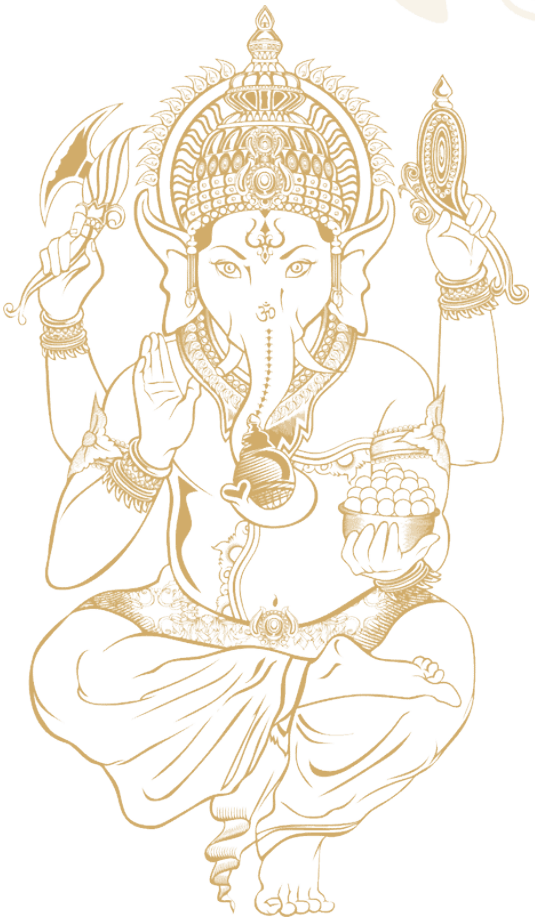

KAJAL YADAV

16 Mar 2026

04:33 PM

Mumbai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121713102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/03/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**16:33:00 घंटे**
इष्ट	24:26:04 घटी
स्थान	**Mumbai**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:58:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:54:20 घंटे
वेलान्तर	-00:08:39 घंटे
साम्पातिक काल	03:30:32 घंटे
सूर्योदय	06:46:34 घंटे
सूर्यास्त	18:48:24 घंटे
दिनमान	12:01:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	01:38:26 मीन
लग्न के अंश	00:45:07 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्ध
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गी-गीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	00:45:07	331:22:37	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	---
सूर्य			मीन	01:38:26	00:59:47	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मक	29:04:50	13:04:19	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	16:41:47	00:47:13	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध	व		कुंभ	15:14:25	00:27:09	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	20:54:30	00:01:02	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	18:12:44	01:14:24	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	09:23:08	00:07:27	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:44:59	00:00:52	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:44:59	00:00:52	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:56:06	00:02:01	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:23:28	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:41:28	00:01:20	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	00:45:47	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

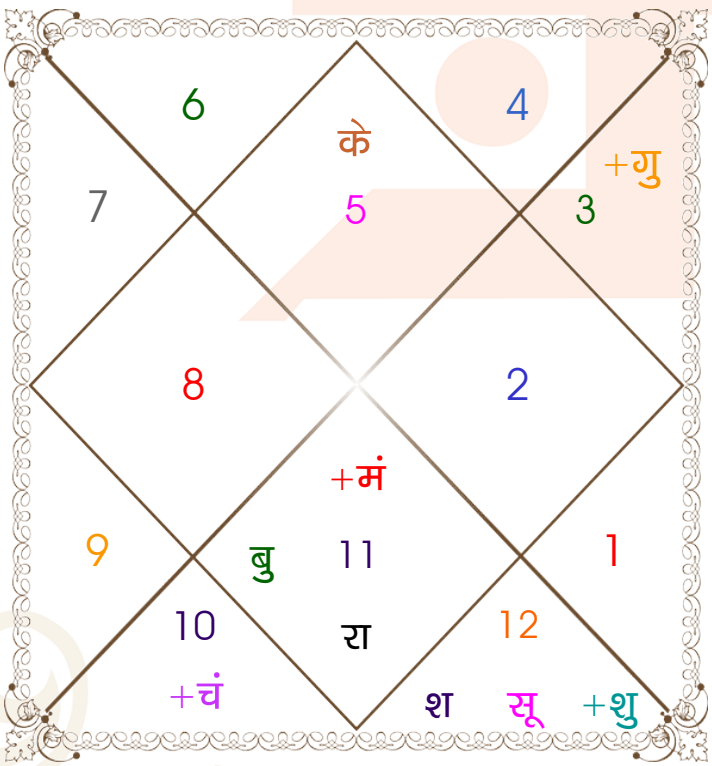

चन्द्र कुंडली

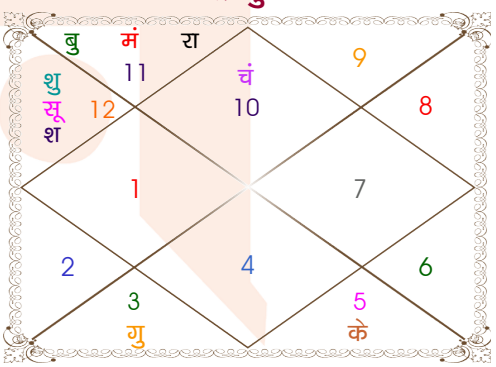

नवमांश कुंडली

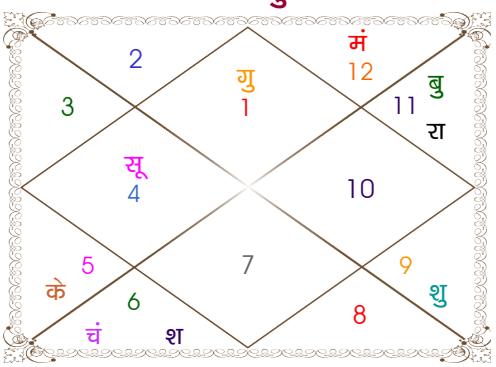

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 11 मास 24 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
16/03/2026		10/03/2030		09/03/2048		09/03/2064		10/03/2083	
10/03/2030		09/03/2048		09/03/2064		10/03/2083		10/03/2100	
	00/00/0000	राहु	20/11/2032	गुरु	28/04/2050	शनि	13/03/2067	बुध	06/08/2085
	00/00/0000	गुरु	16/04/2035	शनि	08/11/2052	बुध	20/11/2069	केतु	03/08/2086
	16/03/2026	शनि	20/02/2038	बुध	14/02/2055	केतु	30/12/2070	शुक्र	03/06/2089
शनि	08/09/2026	बुध	08/09/2040	केतु	21/01/2056	शुक्र	01/03/2074	सूर्य	09/04/2090
बुध	06/09/2027	केतु	26/09/2041	शुक्र	21/09/2058	सूर्य	11/02/2075	चंद्र	09/09/2091
केतु	02/02/2028	शुक्र	26/09/2044	सूर्य	10/07/2059	चंद्र	11/09/2076	मंगल	05/09/2092
शुक्र	03/04/2029	सूर्य	21/08/2045	चंद्र	08/11/2060	मंगल	21/10/2077	राहु	25/03/2095
सूर्य	09/08/2029	चंद्र	20/02/2047	मंगल	15/10/2061	राहु	27/08/2080	गुरु	30/06/2097
चंद्र	10/03/2030	मंगल	09/03/2048	राहु	09/03/2064	गुरु	10/03/2083	शनि	10/03/2100

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
10/03/2100		11/03/2107		11/03/2127		11/03/2133		11/03/2143	
11/03/2107		11/03/2127		11/03/2133		11/03/2143		00/00/0000	
केतु	06/08/2100	शुक्र	11/07/2110	सूर्य	29/06/2127	चंद्र	09/01/2134	मंगल	07/08/2143
शुक्र	07/10/2101	सूर्य	11/07/2111	चंद्र	28/12/2127	मंगल	10/08/2134	राहु	25/08/2144
सूर्य	11/02/2102	चंद्र	11/03/2113	मंगल	04/05/2128	राहु	09/02/2136	गुरु	01/08/2145
चंद्र	13/09/2102	मंगल	11/05/2114	राहु	29/03/2129	गुरु	10/06/2137	शनि	17/03/2146
मंगल	09/02/2103	राहु	10/05/2117	गुरु	15/01/2130	शनि	09/01/2139		00/00/0000
राहु	27/02/2104	गुरु	09/01/2120	शनि	28/12/2130	बुध	10/06/2140		00/00/0000
गुरु	02/02/2105	शनि	11/03/2123	बुध	04/11/2131	केतु	09/01/2141		00/00/0000
शनि	14/03/2106	बुध	09/01/2126	केतु	10/03/2132	शुक्र	09/09/2142		00/00/0000
बुध	11/03/2107	केतु	11/03/2127	शुक्र	11/03/2133	सूर्य	11/03/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 11 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न के उदय काल में मेष राशि के नवमांश एवं सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। यह जन्मकालिक संयोजन उत्तम प्रकार की आकृति स्थापित कर आपकों उत्तम प्रकार का व्यवहार कुशल प्राणी बनाया है।

आप जंगल का राजा सिंह के समान हैं। आप सभी प्रकार की स्थिति का पर्यावलोकन करने के लिए समर्थ हैं आपको प्रकृति ने सभी प्रकार के पत्ते को छाँटने के लिए स्वामित्व प्रदान किया है। अर्थात आप सभी प्रकार के कार्य का सम्पादन कर सकते हैं।

प्रकृति ने आपको साहसी आत्मविश्वासी, नेतृत्व करने के गुणों से युक्त एवं समृद्धवान बनाया है। आप अच्छी प्रकार सोच विचार कर किसी भी विषय में कार्य करें तो आप विजयी हो सकते हैं। परन्तु विषय वस्तु को भली प्रकार अर्थात् सावधानी पूर्वक अग्रसारित करें। आप अन्य लोगों पर अपनी विश्वसनीयता का पूर्ण प्रभाव प्रदर्शित करते हैं। आप मुक्त हस्त से धन का दुरूपयोग करेंगे तो सन्देह है कि आप इस प्रकार समर्थ नहीं हो सकेंगे। फलस्वरूप इस प्रकार धन का दुरूपयोग करना शोभनीय नहीं है। आप ऐसा अनुभव करें जब आप वृद्धावस्था को प्राप्त होंगे तब तक आपके बैंक का शेष क्षीण हो जाएगा और आप धन के मामले में कमजोर हो जाएंगे। अन्य तथ्य यह है कि जब आपके धन की थैली अन्य के सहयोग में खर्च हो जाएंगे तथा आप इस प्रकार उदारता बरतने के अभिलाषी रहे तो आपकी आकांक्षा अधूरी रह जाएगी। अतः आप दृढ़तापूर्वक अपनी (फिजूल खर्ची) अपव्यय को नियंत्रित करना परमावश्यक है। अतः आप इस प्रवृति का परित्याग करें अन्यथा आपके जीवन के अन्त समय में धन का अभाव कष्टदायक एवं अनुभव पूर्ण रहेगा।

आपकी प्रवृति धार्मिक है। आप धर्मपारायण एवं अपने माता-पिता के प्रति निष्ठावान हैं। आपकी अभ्युक्ति सेवा भावना की रहती है तथा आप विश्वास पूर्वक मानव सेवा को भगवान की सेवा समझते हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए अभावग्रस्त व्यक्तियों को निश्चित रूप से दान करना अनिवार्य है। अर्थात् आप पर्याप्त मात्रा में दान करने में सुखानुभूति करते हैं।

आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप भव्य, दीर्घकाय, चौड़े कन्धे वाले मुलायम और घने बालों वाले समय से पूर्व गंजा हो जाने वाले, वर्त्तमान काल के प्रभावशाली हुक्म चलाने वाले एवं प्रतिभा सम्पन्न दबंग व्यक्ति है। इसलिए आपके अनुकूल पद-प्रतिष्ठा हेतु प्रबन्धक भारी उद्योग/कम्पनी के उच्चाधिकारी या निगम के उच्चाधिकारी का पद उपयुक्त है। आरामदायक वस्तुओं का निर्माण करना अथवा ट्रेडिंग का कार्य करने से अच्छी आय होगी। विडियों कैमरा का कार्य व्यवसाय भी उत्तम होगा। अथवा इसके अतिरिक्त आप व्यवसायों में वित्तीय व्यवसाय बन्धक कार्य, भूमि भवन सम्बंधी क्रय-विक्रय, किराया, भूमि एवं कृषि कार्य अथवा पठन-पाठन, शैक्षणिक संस्थान का संचालन कार्य व्यवसाय भी आपके योग्य है।

सिंह लग्न/राशीय प्रभावित गुणों के आधार पर आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। संयोगवश यदा-कदा ज्वर पीड़ा से आक्रान्त भी हो सकते हैं परन्तु शीघ्रतापूर्वक आरोग्य लाभ

प्राप्त कर लेंगे। क्योंकि आप के शरीर में लौह गुण (शक्ति) विद्यमान है। इसके बाद सिंह राशीय निर्देशानुसार आप हृदय रोग, पीठ के रीढ़ की हड्डी रोगादि आपके स्वास्थ्य में न्यूनता ला सकता है। परिणाम स्वरूप हृदय की धड़कन शोथ रोग तथा सिर में चक्कर आना संभाव्य है। अस्तु उत्तम तो यह होगा कि आप अधिक भोजन करना तथा अत्यधिक मद्यपान करने वाली प्रवृति का त्याग करें। यदि आप पूर्णिमा का व्रत रखें तो यह अनिष्टकारी प्रभाव से रक्षा करने में सहायक होगा। आप प्रसन्नतम एवं आनन्ददायक पारिवारिक जीवन तथा स्वस्थ सन्तान एवं समझदार पत्नी को सुख प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 2 एवं 7 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है। आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे। ब्लू, सफेद एवं काला रंग आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।